# पढ़ुआ बाबा

(१ )

पढ़ुआ बाबा प्रबासी मैथिल अमेरिकन के सुपर सीनियर छैथ। ओ सब किछु केने छैथ जें जुआनी में जुआन मध्यमवर्गीय पूत करैत अछि। ६०'s में न्यू यॉर्क सिटी एलाह। धराधर मास्टर आ' पीएचडी क क एतहि रहि गेलाह। ओ भारत आ नेपालक मैथिल (मिथिलाबासी सब जाइत आ धर्मक) के हीरो छैथ , कारण वालंटियर करै में अगुआ छैथ। लोक स्नेह सं हिनका पढ़ुआ भाई-काका- बाबा नामे सम्बोधित करैत छैन।

अमेरिका में एकटा कहबी छैक जे यूनिवर्सिटी जीवनसाथी चुनबाक बर कटगर जगह छैक। चौसेथ कला में सं किछु में हिनका अबश्य जबरदस्त माहरत छलैन। तखने ने पहिने सिविल राइट मूवमेंट में भाग लेलेंन। फेर यूनिवर्सिटी कैंपस में में बाबी के तकलेंन । परिचय रोमांस में आ' रोमांस गृहस्थी में बदैल गेलैन। बाबी के स्नेह सं हम "गोरकी बाबी" कहैत छियेंन।

आब त हमरो एहि देश में ऐना चालीस बर्ष सं बेशी भ गेल अछि। मुदा एखनो मोन अछि, पढ़ुआ बाबा आ' गोरकी बाबी सं पहिल भेट। नव बर्षक भोज में हमरो बजौने रहैथ। ३१ दिसंबर के रेत में ८ बजे साँझ सं भोर के २ बजे धरि रंग-बिरंग क आधुनिक सोमरस भरिपेटा पीबाक इ हमर पहिल अबसर छल। हमरा कान में कहलेंन -"आई रेत एतहि रहि जा, कैल दुपहरिया में डोर्म (डेरा) पंहुचा देबs।" छुट्टी रहबे करै, रुकि गेलंहु।

हुनकर अतिथि लिस्ट में कैटा अन्य बिद्यार्थी रहथिन, जाहि में सं एकटा पाकिस्तानी छात्र सेहो रहैथ, जे आई धरि हमर मित्र छैथ आ घरेलु आन-जान अछि। त्रिभासिया हेबाक करणे, हुनका संगे गप करै में कोनो कठिनाइ नै भेल। हिंदी- उर्दू क बोली एकहि सनक छैक। कहियो दुभाषिया हेबाक लाभ भेटत, तकर कल्पना नहि केने रही । मिथिला में दुभाषिया(हिंदी) क संख्या बैढ़ रहल अछि से सुनैत छी, आ' ई बर नीक सकारात्मक परिबर्तन थीक।

पढ़ुआ बाबा फेर नव बर्ष '२५ के लेल नोत देने छैथ। हुनके ओहिठाम जे पहिल बेर जैक डेनियल के व्हिस्की पीने रही, सैह लक पार्टी में जेब से कहि देने छियेंन। एहि बेरक पार्टी के किस्सा बाद में सुनैब।

क्रमशः: